GEOGRAPHY

Test-5

OPT DTVF -23 **G-2305**

Time Allowed: Three Hours | *Maximum Marks : 250*

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number: _____**

Center & Date: Online – 04.08.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** which are printed in **ENGLISH.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

131/250

Q. No.	a	b	c	d	e	Total Marks	Q. No.	a	b	c	d	e	Total Marks
1	4	5.5	5.5	6.0	4.0		5	5.5	6.0	5.0	4.0	4.5	
2	—	—	—	—	—		6	—	—	—	—	—	
3	11.0	9.0	9.0	—	—		7	—	—	—	—	—	
4	11.5	9.0	7.5	—	—		8	11.5	6.0	6.5	—	—	
						Grand Total							131

Evaluator (Signature) Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

⇒ आपकी विषयवस्तु पर समझ अच्छी है

⇒ भूमिका एवं निष्कर्ष का स्तर ठीक है

⇒ लेखन शैली एवं भाषा प्रवाह का स्तर अच्छा है

⇒ संदर्भ दक्षता अच्छा है

⇒ उत्तर को अधिक तथ्यपरक तथा व्यवस्थित लिखने का अभ्यास जारी रखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(1) (a) पारिस्थितिक नारीवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

पारिस्थितिक नारीवाद से आशय पारिस्थितिकी में महिलाओं की भूमिका एवं प्रभाव से है। कालान्तर से वर्तमान तक महिलाओं ने पर्यावरण को संरक्षित करने, परिरक्षण में अहम योगदान दिया है।

स्पष्ट एवं संक्षिप्त परिभाषा लिखें

पारिस्थितिकीय नारीवाद :-

- ऐलिसन हेमोई के अनुसार समय के अनुरूप महिलाओं के सामाजिक भूमिका में परिवर्तन के साथ उनकी पर्यावरणीय भूमिका भी परिवर्तित हुई है।

1. परम्परागत समाज में :-

- महिलाओं की समाज के अत्यधिक भूमिका

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- महिलाओं द्वारा मानव - पर्यावरण सम्बन्ध बनाने पर अत्यधिक जोर
- महिलाओं की केन्द्रीय भूमिका
जैसे- गार्गी, लोपामुद्रा जैसी स्त्रियों द्वारा पारिस्थितिकी को बचाने पर जोर

2. आधुनिक समाज में -

- महिलाओं की स्थिति परिवर्तन
- पूँजीवादी समाज
महिलाओं की भूमिका केन्द्र से परिधि की ओर
- महिलाओं द्वारा घर पर पूँजीवाद से आहत
उदा० - मेधा पाटकर द्वारा नर्मदा बचाओ आन्दोलन

महिलाएँ पर्यावरण को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं एवं निभाती हुई प्रतीत होती हैं। एलेन सेम्पुल ने मनुष्य को पृथ्वी की सतह का उत्पाद माना है।

4/10

इकोफेमिनिज्म के उत्पत्ति के कारण का उल्लेख करें। ... महिलाओं के ... को ... (examiner's red remarks, partly illegible)

Page

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(1) (b)

भूगोल में मात्रात्मक क्रांति की उत्पत्ति और प्रगति का पता लगाएं और इसके उद्देश्यों और आलोचना पर चर्चा कीजिये।

भूगोल में मात्रात्मक क्रांति का उद्भव 1940s एवं 1950s के काल में होता है। भौगोलिक व्यवस्था का सांख्यिकीय, गणितीय तकनीक, प्रेक्षण एवं प्रमाण के आधार पर अध्ययन मात्रात्मक क्रांति के आधार पर किया जाता है।

मात्रात्मक क्रांति के उद्देश्य :-

1. भूगोल को वैज्ञानिक विषय के रूप में स्थापित करना
2. भूगोल में मॉडल व सिद्धान्त प्रतिपादित करना
3. अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए आदर्श आर्थिक स्थिति का निर्धारण करना
4. भूगोल को दार्शनिक एवं वैज्ञानिक आधार प्रदान करना।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

5. भूगोल में तथ्यों की सटीकता एवं सामान्यीकरण करना

प्रक्रिया → डाटा एकत्रीकरण
→ डाटा प्रसंस्करण
→ मॉडल का निर्माण करना

उत्पत्ति एवं प्रगति → भूगोल को थ्योरी वाले विषय से वैज्ञानिक विषय बनाने के लिए

- वैज्ञानिकों जैसे - वेबर, जेफरसन, लॉश, ब्रगेस, होयट व उलिन आदि
- सिद्धान्त - क्रिस्टॉलर का केन्द्र स्थल सिद्धान्त
  - वेबर का औद्योगिक अवस्थिति सिद्धान्त
  - कृषि अवस्थिति सिद्धान्त

आलोचना - भूगोल का प्राथमिक उद्देश्य मानव का कल्याण करना
- भूगोल को तकनीकी गणितीय विषय में परिवर्तन
- स्टाम्प के अनुसार मात्रात्मक क्रांति एक नागरिक युद्ध था जिसका सुनहरा बछड़ा कम्प्यूटर था।
- मानव को एक निष्क्रिय एजेंट के रूप में
- मशीनीकृत प्रक्रिया मानव - पर्यावरण सम्बन्ध को उचित रूप में प्रदर्शित नहीं कर पाती।

मात्रात्मक क्रांति ने भूगोल में नवीन प्रतिदर्शों की संकल्पना था जिन्होंने भूगोल को एक मॉडल संदर्शी विज्ञान के रूप में प्रतिस्थापित किया।

5.5

=) प्रयास अच्छा है
=) उत्तर को अधिक स्पष्टता तथा व्यवस्थित रूप से लिखने का प्रयास करें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (c)

व्यवहारात्मक दृष्टिकोण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

मात्रात्मक क्रांति के आलोचना स्वरूप क्रिटिकल क्रांति का उदय हुआ है जिसमें व्यवहारात्मक दृष्टिकोण सामने आया।

केंद्रीय विषय :-

1. दो तरह का व्यवहार
   (i) यथार्थ व्यवहार
   (ii) व्यावहारिक
2. व्यक्ति का व्यवहार वास्तविकता पर नहीं बल्कि सोच व तत्वों पर निर्भर करता है।
3. मानव समूह-रूप से अधिक एकल रूप में पर्यावरण को प्रभावित करता है।
4. मानव पहले पर्यावरण को प्रभावित करता है फिर इसके द्वारा आहत किया जाता है।

W. Bunge द्वारा (1963) के अपनी पुस्तक Theoretical basis of Geography में इस संकल्पना का प्रतिपादन किया गया।

उद्देश्य :-

1. मानव के संज्ञानात्मक ज्ञान का विश्लेषण
2. मानव का पर्यावरण पर प्रभाव

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

प्रतिदर्श :-

1. बॉल्डिंग मॉडल – 1956 पर्यावरण से छवि के अनुसार व्यवहार निर्धारण

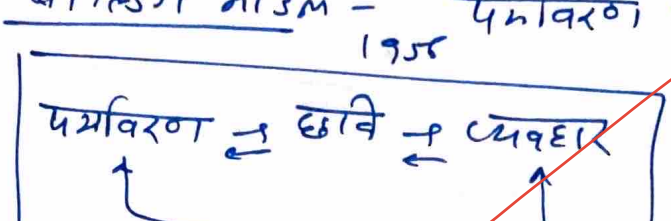

2. डाउन्स का मॉडल 1970 :-

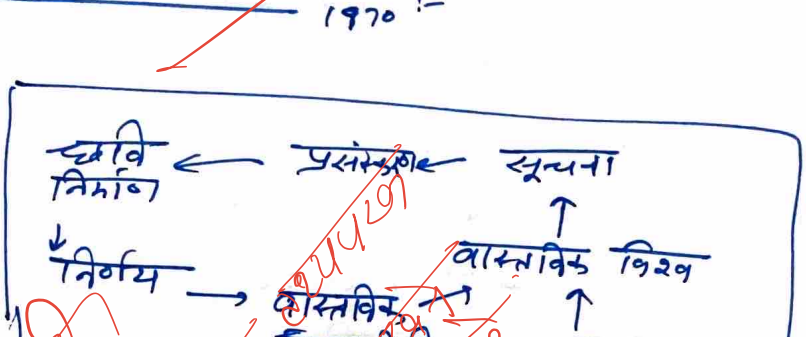

3. कोनेनफेल्ड (1972) –
- कार्यात्मक व्यवहार – भौगोलिक व्यवहार
- व्यवहारात्मक व्यवहार

आलोचना :- मानव को एक डाटा एकत्रित करने वाले के रूप में
- रेडियोमेट्रिक तकनीकें
- मापने में असंभव
- कम नमूने एवं मॉडल का सामान्यीकरण संभव नहीं।

व्यावहारिक दृष्टिकोण ने मानव- पर्यावरण के मध्य क्रिया – प्रतिक्रिया सम्बन्धों को प्रतिस्थापित किया।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

1 (d) आलोचनाओं के साथ, "विकास की सीमा" की मुख्य थीसिस पर एक संक्षिप्त नोट लिखिये।

'लिमिट्स टू ग्रोथ' सम्बन्धित सिद्धान्त का प्रतिपादन क्लब ऑफ रोम के डोनाल्ड मीडोज द्वारा 1972 में किया गया। इसके दूसरे प्रतिरूप बियोंड लिमिट्स को 1992 में प्रतिपादित किया गया था।

- लिमिट्स टू ग्रोथ, जे फोरस्टर के डायनामिक विश्लेषण के आधार पर भविष्य की रणनीतियां बनाने में योगदान देता है।

मान्यताएँ :-

1. प्रकृति की जनसंख्या बढ़ रही है।
2. प्रकृति की उत्पादकता सीमित है।
3. पृथ्वी की प्रदूषण क्षमता सीमित है।
4. तकनीकों एवं प्रौद्योगिकीयों (उपयोग) की उपयोगिता
5. कचरा प्रबंधन तकनीकें एवं पर्यावरण प्रबंधन तकनीकों पर जोर नहीं

सिद्धान्त :-

1. जनसंख्या, पृथ्वी की वहनीय क्षमता से कम होती है।

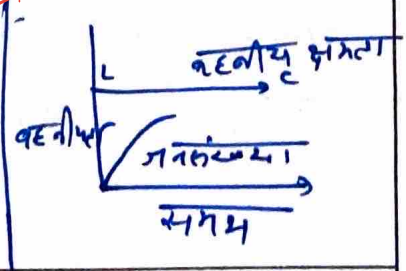

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) जनसंख्या, वहन क्षमता से अधिक होती है किन्तु तुरन्त ही कम होने लगती है।

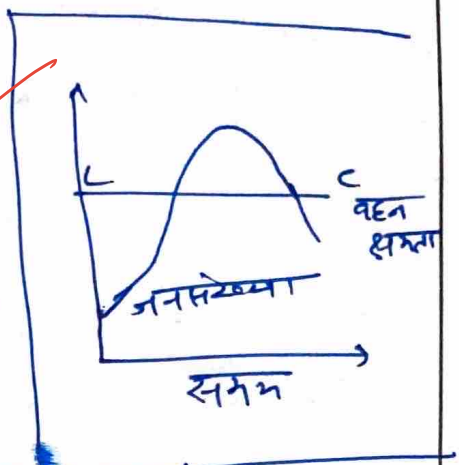

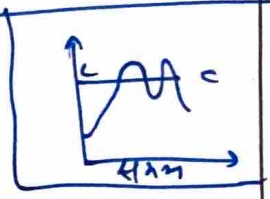

(3) जनसंख्या, वहन क्षमता से अधिक होकर तुरन्त कम होती है एवं लचकशीलता के साथ धीरे-धीरे कम होती है

(4) जनसंख्या में समय के साथ परिवर्तन किन्तु नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग अतः वहन क्षमता धीरे-धीरे कम हो जाती है।

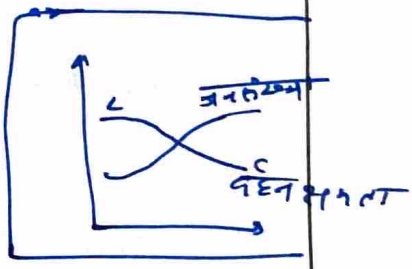

आलोचना :-

1. जनसंख्या के हमेशा वृद्धि नहीं होती, जनसंख्या में कमी के तरीके उपलब्ध है।
2. खाद्य संसाधनों की उत्पादकता में वृद्धि संभव
3. प्रदूषण पर रोकथाम संभव
4. संसाधनों में नवीकरणीयता का उपयोग

क्लीमेर द्र ग्रोव ने आगामी खाद्य संकट के लिए चेतावनी दी एवं जनसंख्या की तीव्र वृद्धि पर रोक के लिए आग्रह किया।

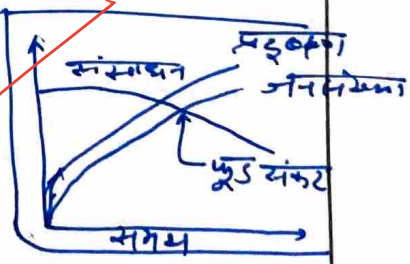

6/10

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(1) (e) 'सांस्कृतिक लैंडस्केप' की अवधारणा को समझाइए।

संस्कृति वह मिश्रण है जिसमें कला, नैतिकता, रीति-रिवाज, खान-पान आदि का समावेश होता है — ई. टायलर।

सांस्कृतिक लैंडस्केप को विभिन्न आधारों पर विभक्त किया जा सकता है।

1. पश्चिमी सांस्कृतिक प्रदेश —
   - विकसित समाज
   - आगे और विभाजन संभव

(1.1) पश्चिमी यूरोपीय प्रदेश :-
   - ब्रिटेन, अमेरिका
   - मुख्यतः विकसित

(1.2) महाद्वीपीय यूरोपीय प्रदेश :-
   - यूरोप महाद्वीप के केन्द्रीय क्षेत्र - जर्मनी, आस्ट्रिया
   - तुलनात्मक रूप से विकास की ओर

(1.3) भूमध्यसागरीय प्रदेश :-
   - भूमध्य सागर के चारों ओर। इन क्षेत्रों में जो यूरोप की ओर है।

(1.4)(1.5) रेड इंडियन एवं आस्ट्रेलियन :-
   - आस्ट्रेलिया एवं अमेरिकी प्रदेशों में

(1.6) लैटिन अमेरिकी प्रदेश —
   - पश्चिमी यूरोपीय प्रदेश का एकमात्र

क्षेत्र जो उष्णकटिबंध में है एवं कम विकसित है।

चित्र : विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश

2. **इस्लामिक प्रदेश**
   - उच्च प्रति व्यक्ति आय
   - कम महिला सुरक्षा
   - तेल पर आर्थिक निर्भरता
   - तुलनात्मक अल्पविकसित

3. **भारतीय प्रदेश**
   - उपमहाद्वीपीय जलवायु
   - पंथनिरपेक्षता
   - मानसूनी वर्षा का प्रभाव

4. **पूर्वी एशियाई**
   - विभिन्न धर्मों का समावेश जैसे - बौद्ध, इसाई आदि
   - वियतनाम, कम्बोडिया लाओस

- इसके अतिरिक्त गौण प्रदेश – अफ्रीकी एवं रूसी एशिया भी सम्मिलित है।

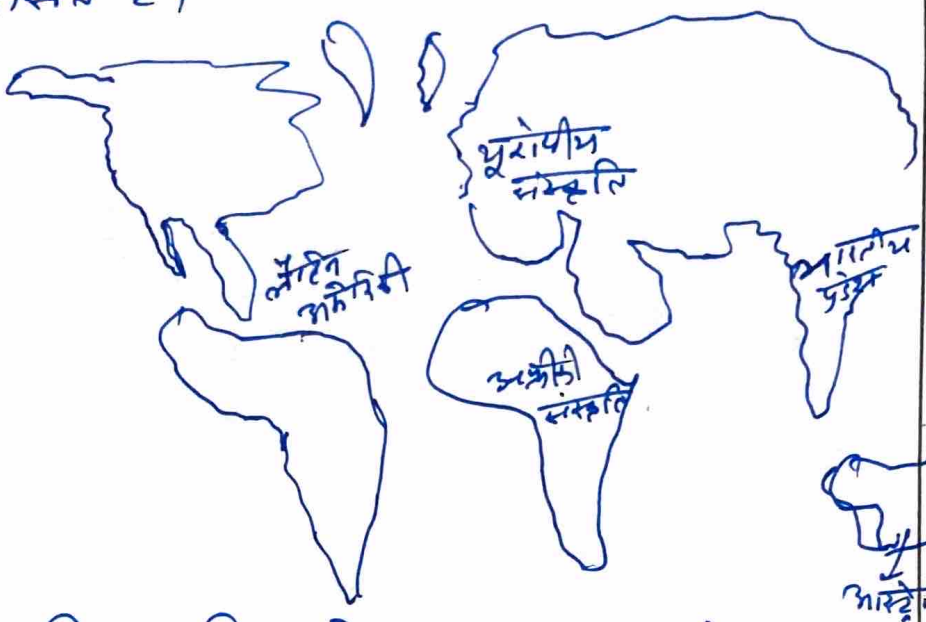

सांस्कृतिक आधार पर विभेदित किन्तु राजनीतिक आधार पर एकता दर्शाते हुए ये प्रदेश वसुधैव कुटुम्बकम को संचालित करते हैं।

5/10

⇒ इन तथ्यों को बाहर ही संक्षेप में लिखें

⇒ [illegible]

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

③ (a) "दुनिया के कई हिस्से भोजन की कमी, अल्पपोषण और कुपोषण की समस्या से जूझ रहे हैं"। विस्तार से चर्चा कीजिये।

हाल ही में जारी ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के आधार पर लगभग 691 - 783 मिलीयन लोग किसी ना किसी तरह खाद्य संकट का शिकार है।

- भोजन की कमी से आशय भोजन की अनुपलब्धता, पहुँच की कमी अथवा आर्थिक वहनीयता ना होने से है।
- अल्पपोषण का अर्थ पोषण में सामान्य पोषक तत्वों की न्यूनता अथवा खाद्य संकट से है
- कुपोषण से आशय, खाद्य तक पहुँच होते हुए भी खाद्यान्न में उपस्थित आवश्यक पोषक पदार्थों की अनुपस्थिति से है जैसे - विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन आदि।

खाद्य सुरक्षा से तात्पर्य उस स्थिति से है जब प्रत्येक व्यक्ति के पास हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

एक पोषक खाद्यान्न की शारीरिक एवं आर्थिक पहुँच उपलब्ध हो जो कि उसके सक्रिय एवं जीवन स्तर की आहार आवश्यकताओं एवं खाद्य गहनताओं को पूरा कर दें।

भोजन की कमी, अल्पपोषण, कुपोषण के कारण :-

1. बुनियादी ढाँचा सम्बन्धी कारक :-
   - बुनियादी ढाँचा की अपर्याप्तता
   - कैंडेशिक सम्बन्धों में शिथिलता
   - आतंकवाद के कारण बुनियादी ढाँचे की हानि
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति :-
   - अमेरिका व चीन के मध्य व्यापार युद्ध
   - यूक्रेन व रूस के मध्य में 1 वर्ष से भी अधिक समय से युद्ध
   - ~~रूस~~ रूस का ग्रेन डील से बाहर होना
3. कोविड - 19 :-
   - कोविड - 19 के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव
   - लॉकडाउन आदि

4. विश्व खाद्य कार्यक्रम की अक्रियाशीलता -
- WTO जैसे संगठनों में समस्या निवारण तंत्र का अभाव
- WFP द्वारा खाद्य कुपोषण पर न्यून कार्यवाही

5. वैश्विक महँगाई :-
- संरक्षणवादी प्रक्रियाओं द्वारा खाद्य संसाधनों मे महँगाई
(जैसे) भारत द्वारा चावल का निर्यात रोकना

संभावित प्रयास एवं पहलें :-

1. WTO के पुनर्नवीनीकरण की आवश्यकता -
- पश्चिमी देशों के प्रभुत्व में कमी
- अल्पविकसित देशों के लिए खाद्य सब्सिडी की व्यवस्था

2. विश्व खाद्य कार्यक्रम की सक्रिय भूमिका
(जैसे-) भारत द्वारा अफगानिस्तान को 50000 टन खाद्यान्न भेजना

3. वैश्विक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ -
(जैसे)- अन्तर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण गलियारे का विकास, भारत-म्यांमार-थाईलैंड लिंक का विकास

4. खाद्य उत्पादकता की लागत कम करना एवं किसानों के लिए पर्याप्त आय की सुनिश्चितता

5. विश्व के 648 मिलीयन गरीब लोगों के लिए UN द्वारा खाद्यान्न व्यवस्था।

भारत द्वारा प्रयास :—

1. ईट राईट कैम्पेन - FSSAI द्वारा
2. फूड फोर्टिफिकेशन - खाद्यान्नों में विटामिन एवं प्रोटीन का समावेश
3. NFSA 2013 एवं PDS कार्यक्रम
4. PMGKAY के तहत मुफ्त खाद्यान्न
5. ICDS एवं MDM योजनाएँ
6. POSHAN 2.0 परियोजना

पोषण केवल खाद्यान्न की उपलब्धता ही नहीं बल्कि उपलब्धता के साथ पहुँच, वहनीयता एवं अवशोषण को ध्यान में रखता है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

11/20

write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each In the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(3) (b)

प्रकृति मनुष्य से उसके द्वारा चुने गए विशेष विकल्प के लिए जो कीमत वसूलती है, उसे प्रयास और रिटर्न के बीच संबंध के रूप में देखा जा सकता है। उपर्युक्त संदर्भ के आलोक में भारतीय परिवेश में नव-नियतिवाद की प्रयोज्यता की व्याख्या कीजिये।

नव-नियतिवाद ग्रिफिथ टेलर द्वारा उनकी पुस्तक आस्ट्रेलिया में 1948 में प्रतिपादित किया गया था। नव-नियतिवाद, संभववाद एवं नियतिवाद के मध्य राह की चर्चा करता है।

नव-नियतिवाद :-

- प्रकृति प्रत्येक जगह संभावनाओं के द्वार खोलती है। मनुष्य इन संभावनाओं मे से चुनने के लिए स्वतंत्र है।
- मनुष्य द्वारा चुनाव मुफ्त नहीं होता, उसे उसकी कीमत चुकानी पड़ती है।
- प्रकृति द्वारा केवल संभावना या असंभावना को जन्म दिया जाता है। सही व गलत होना कृत्रिम अवधारणाएँ हैं जो मानव निर्मित हैं।
- मानव व प्रकृति के मध्य द्वन्द्व मे लघुकाल में मानव विजयी रहता है किन्तु दीर्घकाल मे अन्तिम विजय प्रकृति की होती है।

- प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों को मानव कम अथवा अधिक कर सकता है अथवा रोक सकता है किन्तु इसकी दिशा परिवर्तन नहीं कर सकता है।

- एक ट्रैफिक कन्ट्रोलर की तरह मानव व्यवहार करता है इसे - रूको और जाओ नियतिवाद भी कहते हैं।

- ग्रीफिथ टेलर, जैसे के कथनों का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि कहीं भी आवश्यकताएँ नहीं है. बल्कि हर जगह संभावनाएँ है एवं मानव अपनी बुद्धिमता के प्रयोग द्वारा इन संभावनाओं के प्रति अपना निर्णय लेता है।

उदा. जनजातीय समुदाय

भारतीय परिवेश में नव-नियतिवाद की प्रयोज्यता :-

1. मानव नदियों किनारे बड़े तटबंध निर्माण कर सकता है किन्तु बाढ़ को नहीं रोक सकता

उदा० दिल्ली में हाल में आई बाढ़.

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) मानव प्राकृतिक वनों का अत्याधिक निर्वनीकरण कररहा है।
(उदा) ग्लोबल फोरेस्ट वाच के अनुसार भारत के 2022 में 17% वन समाप्त हो गये।

(3) जम्मू कश्मीर में किये जा रहे विकास कार्य एवं उधमपुर रेल लिंक जैसी परियोजनाएं प्रकृति के संतुलन के विरुद्ध हैं।

(4) हिमाचल प्रदेश में सड़कों के गैर-इंजीनियरिंग मूल्यांकन के कारण चौड़ीकरण से अत्याधिक नुकसान हुआ है एवं लगभग 150 लोगों की जान गयी।

(5) निर्वनीकरण एवं कंक्रीटीकरण से औसत तापमान में 0.7°C की वृद्धि हुई।

मानव द्वारा प्राकृतिक प्रक्रियाओं एवं संभावनाओं का संधारणीय उपयोग ही भविष्योन्मुखी हो सकता है जिससे मानव-पर्यावरण सम्बन्ध स्थायी होंगे।

9/15

→ विषय वस्तु का टेस्ट की प्रस्तावना अच्छी है
→ उत्तर को और बेहतर तरीके से व्यवस्थित तथा उदाहरणों का प्रयोग कीजिए
उत्तर लिखते रहें

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3 (c) अकाल के विभिन्न कारणों और प्रभावों के साथ-2 उसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिये कुछ व्यावहारिक समाधान बताइये।

अकाल से आशय ऐसी परिस्थिति से है जब व्यक्तियों के पास भोजन की अनुपलब्धता इस कारण से हो कि उत्पादन में अत्यधिक कमी हुई है या फिर सरकारी नीतियां खाद्यान्न पहुंचाने में असफल हुई है।

अकाल के कारण :-

1. **बाढ़ आना -**
   - जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण प्रदूषण
   - उदा. - भारतीय भूमि का तापमान में 0.7°C वृद्धि
2. **सूखे की बारम्बारता -**
   - उदा. - भारत में 17th शताब्दी, 18th शताब्दी 1943, छप्पनिया अकाल आदि से अत्यधिक मौतें
3. **बारिश में कमी -**
   - उदा. भारत में मानसून पर निर्भरता

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- एलनीनो के कारण पिछले 19 एलनीनो वर्षों में 6 में अत्यधिक कम बारिश।

(4) असमान उत्पादकता -

- हरित क्रांति प्रदेशों में अधिक उत्पादकता
- यूरिया से 1960 – 12 kg. खाद्यान्न उत्पादन
  2010 – 5 kg. खाद्यान्न उत्पादन गहनता

अकाल के सम्भावित प्रभाव -

(1) जान-माल की व्यापक हानि :-

उदा० छपनिया अकाल से लाखों लोगों की मृत्यु

(2) बीमारियाँ -

उदा० संक्रामक बीमारी – डेंगू, हैजा, मलेरिया
असंक्रामक बीमारी व मनोवैज्ञानिक प्रभाव

(3) प्रवास -

उदा० – छपनिया अकाल से लोगों ने अपने घर छोड़कर अन्यत्र प्रस्थान करना प्रारम्भ कर दिया

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(4) कुपोषण –

– उदा – खाद्यान्न की अनुपलब्धता के अभाव, हड्डियों का ढांचा बन जाता है।

(5) जनांकिकीय प्रभाव –

(उदा) – लिंगानुपात में परिवर्तन, जनांकिकीय लाभांश का ह्रास

समाधान —

1. बेहतर बुनियादी ढांचा सुविधाएं –
(उदा) – गाँवों तक फीडर सड़क का निर्माण, भण्डारण सुविधाएं, अतिशीतित ट्रक
2. फसल विविधीकरण –
(उदा) – मिलेट, दालों को प्रोत्साहन
3. प्राथमिक कार्यों से द्वितीयक / तृतीयक की ओर प्रस्थान –
(उदा) – मछलीपालकों को मछली के तेल या माँस से विनिर्मित पदार्थ तैयार करने की प्रेरणा
उदा – मत्स्य सम्पदा योजना

अकाल या दुर्भिक्ष मानव की मनोवैज्ञानिक, शारीरिक व मानसिक पीड़ा बढ़ा देता है इसे रोकने के लिए नीति स्तर पर कार्य की आवश्यकता है।

9/15

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्रश्न 4

(a) तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। उन कारकों का वर्णन कीजिये जिनके कारण ऊर्जा संकट पैदा हुआ है।

ऊर्जा, मानव की आधारभूत आवश्यकता बनी हुई है ऊर्जा स्त्रोत के आधार पर ऊर्जा विविध तरीकों से प्राप्त की जा सकती है। ऊर्जा संकट से आशय ऊर्जा की कमी से नहीं अपितु मॉग व आपूर्ति में असंतुलन से है।

ऊर्जा संकट के कारण :-

(1) मॉग आधारित कारण :-

- ऊर्जा की मॉग में समानुरूप परिवर्तन ने ऊर्जा संकटों को जन्म दिया है।

(i) बढ़ती जनसंख्या :-

1830 -	1 अरब
1930 -	2 अरब
1975 -	4 अरब
2010 -	9 अरब

तीव्र बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए ऊर्जा की मॉग भी तेजी से बढ़ रही है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(ii) बढ़ता भौतिकीकरण :—

- मानवीय संस्कृतियों में परिवर्तन
- नवीन ऊर्जा तकनीकों का विकास नहीं किन्तु नवीन उपकरणों, उदा० - कम्प्यूटर, इन्टरनेट आदि का विकास
- ऑनलाईन प्रक्रियाएँ — ई-कॉमर्स एवं होम डिलीवरी सेवा जिसके - वाहनों का प्रयोग बढ़ा है — ऊर्जा आवश्यकता बढ़ी है।

(iii) कृषि उत्पादन में आवश्यकता :—

- भारत की 60% ऊर्जा कृषि क्षेत्र में प्रयोग
- कृषि विद्युत में सब्सिडी का और - कृषि कार्यों में प्रयोग

(iv) औद्योगीकरण एवं शहरीकरण :—

- औद्योगिक क्रांति से बढ़ ऊर्जा आवश्यकता में तेजी से परिवर्तन हुआ है।

(2) मूर्ति आधारित :—

(i) कम उत्पादकता :—

- अरब देशों द्वारा मांग गिरने पर कम उत्पादन

(ii) अमेरिका द्वारा Sanction :-

- रूस पर अमेरिका के sanction
- ऊर्जा - तेल व गैस की कीमतें बढ़ी

(iii) OPEC देशों का कार्टेल :-

- जानबूझकर तेल उत्पादन कम करना। जैसे - 2022 में
- जानबूझकर कीमतें बढ़ाने की कोशिश।

वैश्विक ऊर्जा संकट परिदृश्य :-

(1) 1970 का ऊर्जा संकट :-

- 1960 में बने OPEC समूह द्वारा ~~अब~~ तेलों की कीमत $7 से बढ़ाकर $40 प्रति बैरल से भी अधिक कर दी गयी

(2) इराक द्वारा कुवैत पर आक्रमण।

(3.) 2005-08 का ऊर्जा संकट -

- 2005-08 में तेल की कीमतों में $148 तक की वृद्धि कर दी गयी
- अधिक कीमत के कारण खरीद क्षमता में कमी।

ऊर्जा संकट रोकने के उपाय :-

(1) अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन - (ISA)
- भारत व फ्रांस की पहल, 2015

रूस यूक्रेन युद्ध और उसके प्रभाव का उल्लेख करें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

2. ऊर्जा के रणनीतिक रिजर्व स्थापित करना

3. गैर - पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों जैसे ज्वारीय ऊर्जा, हाइड्रोइलेक्ट्रिसिटी एवं जल विद्युत की ओर प्रस्थान

4. न्यून ऊर्जा आवश्यकता वाली फसलों की ओर प्रस्थान

5. आपूर्ति बढ़ाने की अपेक्षा माँग कम करने पर फोकस

6. अन्तर्राष्ट्रीय ग्रिड संरचना पर विचार

वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट हमें आगाह कर रहा है कि ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों की ओर प्रस्थान किया जाये जिससे SDG लक्ष्य 7 की प्राप्ति हो सके (स्वच्छ ऊर्जा)

11.5/20

आपको विषय बढ़ाने की समझ और अच्छी है, उत्तर को सार्थक व एकीकृत करना अधिक सुधार की ज़रूरत तथा अभ्यास करें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्र 5 (b)

एचडीआई की गणना कैसे की जाती है? दुनिया भर में मानव विकास में स्थानिक अंतर के कारणों पर चर्चा कीजिये।

HDI एक मानकीकृत मिश्रित इंडेक्स है जिसे UNDP द्वारा जारी किया जाता है। यह मानव विकास मापन का महत्वपूर्ण tool है।

HDI

- शिक्षा → SDG-4
  - शिक्षा के कुल वर्ष
  - शिक्षा के अपेक्षित वर्ष
- स्वास्थ्य → SDG-3
  - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
- जीवन स्तर → SDG-8
  - प्रति व्यक्ति आय

- तीनों मदों को समान ($\frac{1}{3}$) भार
- 0-1 तक पैमाने पर गणना - देशों की रैंकिंग
- मानव विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के आधार पर वैश्विक इंडेक्स जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ती है एवं वैश्विक डाटा के बारे में जानकारी मिलती है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

वैश्विक स्तर पर HDI :- 2021

1. विश्व के स्विट्जरलैण्ड 0.932 के साथ प्रथम स्थान पर है।
2. वैश्विक औसत HDI मान 0.74 है।
3. दक्षिणी एशिया में श्रीलंका 73 वें स्थान पर है जिसका HDI मान 0.782 है।
4. इसके बाद चीन, नेपाल, भारत जैसे देशों का स्थान आता है।
5. अफगानिस्तान व दक्षिणी देशों के साथ अफ्रीकी देशों का HDI निम्नतम स्तर पर है।

भारत का HDI -

- भारत का HDI मान 0.663 है।
- वैश्विक रैंकिंग में भारत का स्थान - 132
- भारत अपने पड़ोसी देशों से निचले स्थान पर है।

शिक्षा < स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 11.9 वर्ष
स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष 6.7 वर्ष

स्वास्थ्य - जीवन प्रत्याशा - वैश्विक 70.4 वर्ष
भारत - 67.4 वर्ष

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- प्रति व्यक्ति आय - $6590 प्रति व्यक्ति
- भारत का लैंगिक असमानता सूचकांक में भी अति निम्न स्तर है जिसे कन्सर्न वर्ल्डवाइड एवं वेल्थंगरहिल्फे द्वारा जारी किया जाता है।
- HDI के द्वारा ← उच्च HDI देश / मध्यम HDI देश / निम्न HDI देश

चुनौतियां :- केवल सीमित स्तरों पर ही विकास का मापन
- सभी देश शामिल नहीं
- देशों के लिए कोई बाध्यकारी प्रभाव नहीं
- देशों द्वारा डाटा मानने से इनकार

HDI वैश्विक असमानता का प्रतिदर्श प्रस्तुत करता है जिसे SDG लक्ष्य की प्राप्ति में बाधा माना जा रहा है। इसे HDI में सुधार एवं अध्ययन के साथ-साथ नवीन तकनीकों के प्रयोग की आवश्यकता है।

9/15

⇒ विषयवस्तु के स्तर पर प्रयास अच्छा
⇒ उत्तर को और बेहतर बनाया जा सकता है, तथ्यपरक आंकड़े और लिखते

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

30
4

(c) सामान्य बनाम विशेष भूगोल के विशेष संदर्भ में द्वैतवाद की अवधारणा पर चर्चा कीजिये।

द्वैतवाद से आशय किसी विषय के संदर्भ में दो भाग होने से है जिनका समान समय पर अस्तित्व रहता है। जैसे - सामान्य और विशेष भूगोल, भूगोल के दो भाग है जो एक ही समय पर अस्तित्व बनाए रखते है।

सामान्य भूगोल :-

- भूगोल के सामान्य विषय की तरह
- सामान्यीकरण पर अधिक जोर
- सम्पूर्ण पृथ्वी के लिए एक समान मॉडल की कमी
- उदा० - क्रिस्टोलर का केन्द्र स्थल सिद्धान्त
- लॉश द्वारा इसमें समयानुकूल अद्यतन

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- वेबर द्वारा औद्योगिक अवस्थिति सिद्धान्त
- कृषि अवस्थिति मॉडल
- मात्रात्मक क्रांति जिसके माध्यम से भूगोल को एक वैज्ञानिक विषय बनाने का प्रयास किया गया है।
- पैंक का लैंडफॉर्म उद्विकास मॉडल
- डार्विन का उत्तरजीविता सिद्धान्त

विशेष भूगोल :-

- किसी प्रदेश विशेष के लिए भूगोल को विशेष प्रकार से अध्ययन करना। यह क्षेत्रीय भूगोल के समकक्ष है
- BJL बेरी का प्रादेशिक विश्लेषण का सिद्धान्त - भूगोल समय के अनुसार किसी प्रदेश का अध्ययन है।
- स्ट्रैबो ने भूगोलवेत्ता इसी को

UPSC

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

माना जो पृथ्वी के किसी हिस्से का अध्ययन करे।

- कांट का सिद्धान्त

अत: सामान्य व विशेष भूगोल दोनों भूगोल के अन्तर्निर्भर विभाग हैं जिन्होंने भूगोल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

7.5/15

मॉडल उत्तर अवलोकन करें। सामान्य एवं विशेष भूगोल के उदाहरण के साथ विभिन्न चर्चा कीजिए

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(5) (a) मानसिक मानचित्र (मेंटल मैप) और इसका अध्ययन करने के दृष्टिकोण पर एक संक्षिप्त नोट लिखिये।

मानसिक मानचित्र से आशय किसी परिदृश्य के प्रति मानव मस्तिष्क में एक प्रतिरूप का निर्माण होना है जिससे वह भविष्य में उसके प्रति संवेदनशील हो जाये।

जैसे- तत्काल की बातों के प्रति व्यक्ति की संवेदनशीलता।

मेंटल मैप बनाने के तरीकों का विभिन्न विद्वानों द्वारा अध्ययन किया गया है। मेंटल मैप व्यक्ति का व्यवहार निर्धारण करते है।

(1) बॉल्डिंग का मॉडल :-

पर्यावरण ⇄ छवि ⇄ व्यवहार

चित्र: बॉल्डिंग द्वारा व्यवहार का मेंटल मैप

- पर्यावरण में किसी वस्तु के देखने पर छवि निर्माण
- छवि के अनुसार व्यवहार

⇒ यह मेंटल मानचित्र के दृष्टिकोण के आधारभूत मान्यताओं का उल्लेख कर सकते है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) डाउन्स का मॉडल 1977

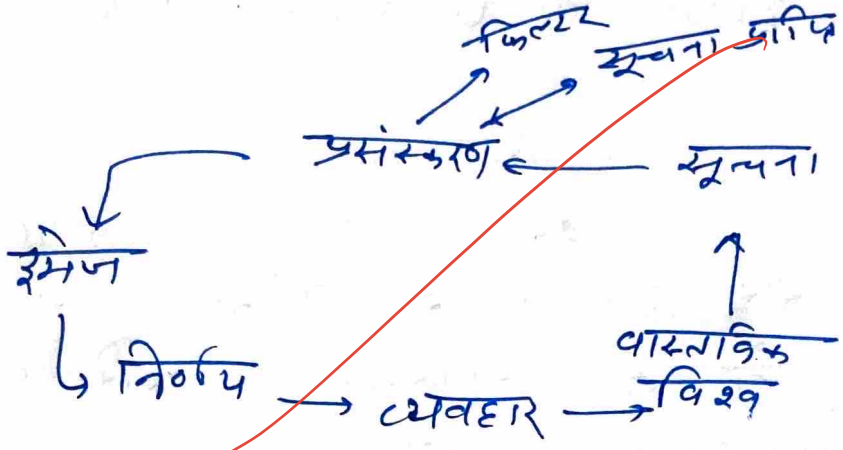

चित्र: डाउन्स का मेंटल मैप मॉडल

(3) सोनेनफेल्ड का मॉडल 1972

- सोनफेल्ड ने विभिन्न परिदृश्यों के विभिन्न प्रकार के मेंटल मैप (5) संकल्पना दी।

जैसे - अवधारणात्मक मॉडल
भौगोलिक मॉडल

व्यक्ति द्वारा यथार्थ एवं उसके प्रसंस्करण द्वारा व्यवहार किया जाता है जिसे समुचित रूप से सूचना प्राप्ति द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

(5) (b)

भाषाओं पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विश्लेषण कीजिये।

भाषाएँ वैश्विक रूप से एकाकी फैली हुई थी लेकिन वैश्वीकरण के प्रभाव में भाषाओं में वैश्विक स्वीकृति प्राप्त हुई है। भाषा आपसी संचार का एक माध्यम है।

भाषा का महत्व :-

- आपसी बातचीत व संचार
- आनुवांशिक सूचनाओं, रीति-रिवाजों का पीढ़ीगत स्थानान्तरण
- सांस्कृतिक व सामाजिक सम्बन्ध स्थापित करने में

वैश्वीकरण से आशय विश्व में राजनीतिक सीमाओं की अवरोधकता समाप्त होने से है जिससे प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच विश्व के हर कोने तक हो जाती है।

भाषा पर वैश्वीकरण का प्रभाव :-

1. सम्पर्क भाषा का स्वीकरण -
   - विश्व में सम्पर्क भाषा के रूप

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

मे अंग्रेजी को मान्यता मिली हुई है। अंग्रेजी लगभग 1200 मिलीयन लोगों की प्राथमिक भाषा भी है।

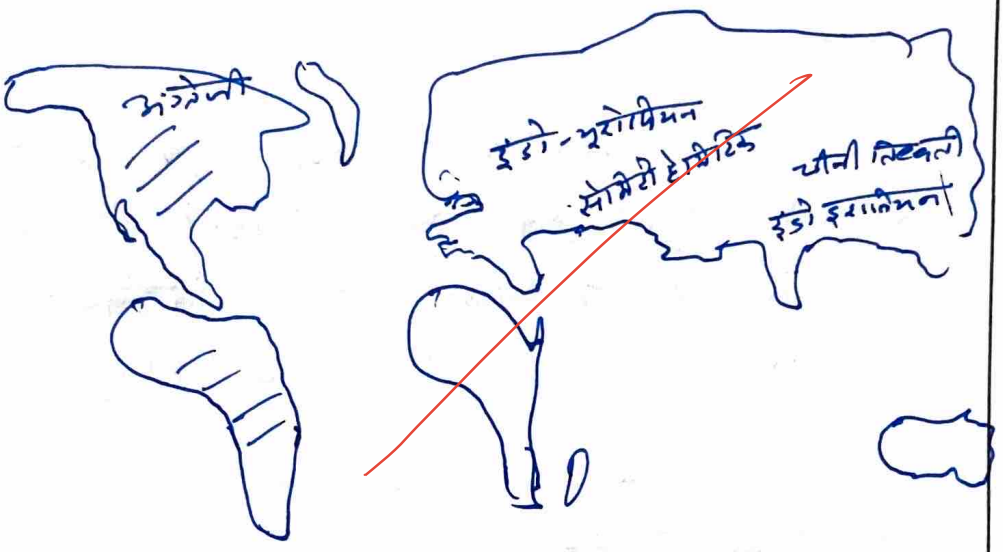

चित्र: विश्व के भाषा प्रदेश

2. सांस्कृतिक आदान प्रदान सम्भव हुआ है।
3. नवीन भाषा प्रारूपों का उदय
   (जैसे) - हिंग्लिश
4. भाषायी विविधता में कमी
5. कुछ जनजातीय / प्रादेशिक भाषाओं का ह्रास
   (जैसे) - संस्कृत अत्याधिक सीमित

भाषा सम्पर्क का माध्यम है जहाँ संचार और वैश्वीकरण ने भाषा को सहेजा है वहीं कुछ भाषाएं नष्ट हुई हैं। इसे सभी भाषाओं के प्रति समान व्यवहार करने की आवश्यकता है।

6/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (c) "पारिस्थितिकी तंत्र की शुद्धता के साथ खाद्य उत्पादकता समय की मांग है।" विस्तार पूर्वक व्याख्या कीजिये।

पारिस्थितिक तंत्र शब्द का अर्थ ऐसे तंत्र से है जिसमे पारिस्थितिक अवयव आपस मे एवं पर्यावरण के साथ अन्तर्क्रिया करते हैं। उत्पादकता पारिस्थितकी तंत्र की महत्वपूर्ण बुनियादी आवश्यकता है।

पारिस्थितिक तंत्र की शुद्धता, खाद्य उत्पादकता समय की मांग क्यों ?

1) बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण -
- पर्यावरण मे वायु की उपलब्धता मे परिवर्तन $O_2 \rightarrow 21\%$ से 20.95%.
- प्लास्टिक का बढ़ता प्रभाव -
(उदा) प्रशान्त महासागर मे प्लास्टिक गार्बेज पैच

2) बढ़ती जनसंख्या के लिए -
- वैश्विक जनसंख्या 8 अरब
- निर्भर जनसंख्या (बुजुर्गों एवं बच्चों मे वृद्धि)

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

3) जलवायु परिवर्तन :-

- बाढ़ व सूखे की बारम्बारता
- मानसून की अनियमित प्रकृति
- आर्कटिक प्रवधन से समुद्री जल स्तर में वृद्धि

4) खाद्य सुयोजन एवं जैव आवर्धन :-

- प्लास्टिक का खाद्य श्रृंखला में प्रवेश
- रासायनिक तत्वों का समुद्री पारिस्थितिकी में प्रवेश।

आगे की राह :-

1. प्रदूषकों को फाइटोरिमेडियेशन अथवा बायोरेमिडियेशन तकनीक द्वारा हटाना
2. खाद्य उत्पादन की नई तकनीक - उदा० GM फसल, बायोइंजीनियरिंग
3. ऑयल जैपर आदि का प्रयोग करके समुद्री ऑयल को हटाना जिससे समुद्री पारिस्थितिक सुरक्षित रहे।

पारिस्थितिक तंत्र में शुद्धता एवं उत्पादकता दोनों समय की मांग है जिससे पोषकता सुनिश्चित हो सके।

5/10

उत्तर में पर्यावरण को प्रभावित करने में कृषि-अन्य कारक को कारणों का विस्तार से लिखें

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (d) मानव भूगोल में घटनात्मक दृष्टिकोण की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

मानव भूगोल मे घटनात्मक दृष्टिकोण से आशय उस प्रक्रिया से है जिसको प्रेक्षण के आधार पर तय किया जाता है।

तथ्यों को थोड़ा विस्तार से स्पष्ट करें

- मानव के धर्म, मूल्य, संस्कृति आदि का प्रभावी उपयोग
- यह मानव के चरित्र निर्धारण में सहायता करता है।
- मानव का व्यवहार निर्धारण संभव है
- यह एक व्यापक approach है जिसे भिन्न - भिन्न तरीकों से लागू किया जा सकता है।
- व्यक्ति की रचनात्मक शक्ति का अधिक प्रभाव
- सूत्रों, समीकरण का न्यून प्रभाव

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

- सकल मॉडल निर्माण, संभव नहीं
- नवीन संदर्भों हेतु नवीन प्रेक्षण आवश्यक

अतः घटनात्मक संदर्भ के आधार पर पर्यावरणीय घटनाओं का समय के प्रभाव का आकलन जरूरी है।

5/10

⇒ मानव भूगोल में घटनात्मक दृष्टिकोण की प्रासंगिकता को उदाहरण द्वारा विस्तार से लिखें। # उस का मॉडल

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

5 (e) पर्यावरणवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

पर्यावरणवाद से आशय पर्यावरण को बचाने एवं मानव-पर्यावरण के मध्य उचित सम्बन्ध स्थापित करने वाली प्रक्रियाओं (जैसे- जन-जागरूकता, लॉबिंग, नीति-निर्माण) आदि से है। यह 1960, या 1970s के दशक से प्रारम्भ हुआ है।

पर्यावरणवाद के विभिन्न सिद्धान्त :-

1. मानवकेन्द्रित :
- पर्यावरण, मानव की कमोडिटी है
- मानव का पर्यावरण के प्रति प्रत्यक्ष दायित्व
- पर्यावरण को बचाना आवश्यक है क्योंकि इससे मानव प्रभावित होता है।

2. जीव केन्द्रित :-
- मानव, पर्यावरण का एक भाग है
- मानव को पर्यावरण बचाने के लिए प्रयास करना चाहिए
- पर्यावरण का अपने आप में एक मूल्य है

3. नियतिवाद :-
- पर्यावरण का विनाश होना तय है
- संसाधन समय के अनुसार नष्ट होते ही हैं।

- मानव इस प्रक्रिया में केवल सम्यक् आवर्धन कर सकता है।

4. संभववाद - (विडाल डी ला ब्लाश) -
- प्रकृति के विनाश को रोकना संभव क्योंकि पृथ्वी स्वयं को Homeostatic क्रियाविधि द्वारा संतुलित करती है।

5. सम्भाव्यतावाद - (ओ एच के स्पेट) -
- पर्यावरणीय नियतिवाद एवं संभववाद के मध्य दृष्टिकोण से पर्यावरण को बचाना चाहिए

6. पर्यावरण प्रबंधन (T.O. रिओर्डन) -
- पर्यावरण को हर कीमत पर बचाना चाहिए जैसे बॉटनिकल गार्डन आदि

7. नव पर्यावरणवाद -
- पश्चिमी सभ्यताएं एवं मूल्य समस्या नहीं बल्कि समाधान है
- विज्ञान में पर्यावरण बचाने की तकनीकें मौजूद हैं।
- यह प्रधान सत्ता की भाषा बोलता है।

पर्यावरण को बचाने के चिपको, अप्पिको आन्दोलन व बिश्नोई समाज के प्रयासों ने पर्यावरण को नीति-निर्माण में प्रमुख भागीदार बना दिया है।

4.5/10

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(8) (9)

खाद्य सुरक्षा से आप क्या समझते हैं? भारत में खाद्य सुरक्षा को संबंधित करने के विभिन्न उपायों के बावजूद, बड़ी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इस कथन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

खाद्य सुरक्षा से आशय सभी लोगों के पास हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित एवं पोषक पदार्थों की शारीरिक एवं आर्थिक पहुँच होने से है जिसके कारण इनकी आहार आवश्यकताओं की पूर्ति एवं खाद्य वरीयताओं की पूर्ति होती है जिनका प्रभावी योगदान उनके जीवन को सक्रिय बनाने में होता है।

— हाल ही में जारी ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के आधार पर सम्पूर्ण विश्व के लगभग 691-781 मिलीयन लोग खाद्य संकट से पीड़ित हैं।

⇒ यहाँ भारत में खाद्य सुरक्षा की स्थिति प्रमाण... [illegible]

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

खाद्य असुरक्षा के कारण :-

1. तीव्र जलवायु परिवर्तन :-
   - कृषि प्रदेशों का विनाश
   - समुद्री तटों का डूबना
   - मत्स्यपालन पर संकट

2. बढ़ती जनसंख्या :-
   - भारत 2023 में चीन की जनसंख्या को पार कर गया
   - सभी के लिए खाद्यान्न उपलब्धता चुनौती
   - 2011 के डाटा के आधार पर 82 करोड़ लोगों तक PDS की पहुँच

3. कृषि उत्पादकता में कमी :-
   - कृषि में रसायनों के प्रयोग के कारण
     1960 में यूरिया के : 12.1 kg. उत्पादकता
     2010 में - 5 kg. उत्पादकता

4. बुनियादी ढांचे का अभाव :-
   - भण्डारण सेवाओं की कमी - FCI के अधिकतम गोदाम उत्तरी भाग में
   - अविकसित भण्डारगृहों की कमी

5. COVID-19 -
   - लोगों की रोजगार चली गयी।
   - ऑक्सफैम - 160 मिलियन लोग गरीबी में

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

6. यूक्रेन रूस युद्ध :-
- वैश्विक माँग में वृद्धि किन्तु अस्थिरता के कारण पहुँच नहीं

सम्बन्धित उपाय :-

1. FCI को मिलेट खरीद का प्रोत्साहन
2. NFSA, 2013 - खाद्य सुरक्षा अधिकार
3. PDS के माध्यम से राशन पहुँचाना
4. PMGKAY - 82 करोड़ लोगों तक मुफ्त खाद्यान्न
5. अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 - मिलेट को प्रोत्साहन देने के लिए
6. फूड फोर्टिफिकेशन प्रोग्राम :- खाद्यान्न के प्रोटीन, विटामिन का भोग
7. MDM - विद्यालयी बच्चों के लिए निःशुल्क खाद्यान्न
8. ICDS - 0-6 वर्ष के बच्चे एवं दूध पिलाने वाली माताओं के लिए खाद्य सुरक्षा
9. FSSAI द्वारा ईट राईट कैम्पेन
10. हाल ही में मूल्य स्थिरीकरण कोष के माध्यम से टमाटर की खरीद
11. e-NAM की स्थापना

चुनौतियां :-

1. डाटा के अद्यतन नहीं - 2011 के बाद

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

से डाटा अद्यतन नहीं जिससे कोविड के समय अनेक लोग खाद्य असुरक्षित

2. भ्रष्टाचार - FCI जैसे संस्थानों एवं राशन दुकानों पर भ्रष्टाचार
समाधान - डिजीटलीकरण एवं GPS का उपयोग (छत्तीसगढ़ मॉडल)

3. लोगों की खाद्य choice में परिवर्तन नहीं -
- ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के अनुसार शहरों के कम खाद्य असुरक्षा क्योंकि वे अपने खाद्य choice में परिवर्तन कर सके हैं।

4. खाद्य विविधीकरण नहीं -
- गेहूँ, चावल की उत्पादकता
- जबकि दालों, मिलेट को प्रोत्साहन की जरूरत

खाद्य सुरक्षा स्थापना के लिए नवीन तरीकों, तकनीकों का प्रयोग एवं मिलेट पर जोर देने की आवश्यकता है जिससे SDG लक्ष्य 2 की प्राप्ति हो सके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

8 (b)

विकास ध्रुव और विकास केंद्र की अवधारणा और इसकी वर्तमान प्रयोज्यता की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

विकास ध्रुव की अवधारणा

• पेरोक्स ने दी जबकि इसके बाद विकास केन्द्र की अवधारणा बूडेविल द्वारा दी गयी।

प्रश्न के संदर्भ में प्रभावशाली भूमिका लिखें

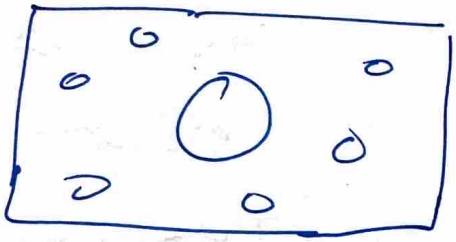

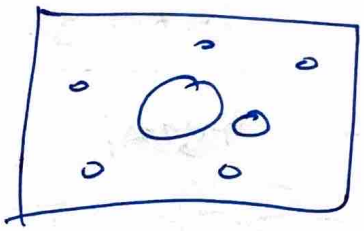

विकास ध्रुव

द्वितीय विकास ध्रुव

विकास ध्रुव :-

— पेरू के अनुसार किसी विशेष प्रदेश में निम्न सिद्धान्तों के आधार पर

1. विशिष्ट क्षेत्र
2. केन्द्रीकरण की उत्पत्ति
3. समूहन की अवधारणा
4. अभिमुखी इकाइयाँ
5. ध्रुवीकरण

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

विकास केन्द्र :-

कुडेविए के अनुसार विकास केन्द्र किसी विशेष स्थान पर स्थित वह क्षेत्र होता है जहाँ धीरे-धीरे प्रक्रियाएं एवं नवीन औद्योगिक प्रवृत्तियां उत्पन्न होती है जिससे उसका विकास होता है।

विकास ध्रुव	विकास केन्द्र
- अन्तर्मुखी	बहिर्मुखी
- केन्द्रीकरण	विकेन्द्रीकरण
- Centripetal बल	Centrifugal बल
- विकासशील देश	विकसित देश
- समूहन की प्रक्रिया	

विकास ध्रुव एवं विकास केन्द्र परस्पर पूरक प्रक्रियाएं जिनसे किसी क्षेत्र का विकास होता है,

6/15

मॉडल उत्तर के उदाहरण से पेरॉक्स एवं बोडविले के विचारों को व्यवस्थित रूप से लिखें

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उ॰ 8 (c) हम आर्थिक विकास को कैसे मापते हैं? उन महत्वपूर्ण संकेतकों पर चर्चा करें जिनका उपयोग आम तौर पर इसे मापने के लिये किया जाता है।

आर्थिक विकास से तात्पर्य किसी क्षेत्र के परिमाणात्मक / गुणात्मक परिवर्तन से है।

आर्थिक विकास की अवधारणा –

1. कृषि विकास
2. परिवहन विकास
3. औद्योगिक विकास
5. पर्यावरणीय विकास

आर्थिक विकास के उपकरण :–

1. HDI – UNDP द्वारा
   - शिक्षा (शिक्षा के अपेक्षित शिक्षा के वर्ष औसत वर्ष
   - स्वास्थ्य – जन्म के समय अपेक्षित आयु
   - जीवन स्तर – GDP / प्रति व्यक्ति आय

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2) वैश्विक खुशहाली सूचकांक -
UN SDSN द्वारा
- विश्व के प्रमुख पैमानों
- स्वतंत्रता - सामाजिक सहयोग
- आय - भ्रष्टाचार मुक्त
- उदारता - खुशी
के आधार पर

(3) आपसी संबंध, भाईचारे के आधार पर

(4) ... की उपस्थिति के आधार पर

आर्थिक विकास एक व्यापक अवधारणा है जो आर्थिक वृद्धि से प्रारम्भ होती है। अर्थात् आर्थिक वृद्धि एवं राष्ट्र एवं लक्ष्य जैसा सम्बन्ध रखती है।

6.0/15

मॉडल उत्तर से सहायता लें। आर्थिक विकास के संकेतक, वृद्धि की तुलना में कैसे व्यापक हैं, उदाहरण एवं प्रस्तुत करें।